>

Title: Need to check recurring floods in the Eastern parts of Uttar Pradesh caused due to the rivers emanating from Nepal.

श्री हरिकेवल प्रसाद (सलेमपुर) : उत्तर प्रदेश का पूर्वांचल क्षेत्र हर साल नेपाल से अनियंत्रित पानी के बहाव से बाढ़ की चपेट में आ जाता है। नेपाल के पानी से जो बाढ़ उत्पन्न होती है उस पानी को नियंत्रित करके हम बिजली पैदा कर सकते है एवं इसी पानी को नियंत्रित करके किसानों को सिंचाई सुविधा दे सकते हैं। भारत सरकार इस दिशा में 1954 से विचार कर रही है और इस पर काम करने के लिए 34 करोड़ रूपये एवं बाद में जयसुखलाल हाथी की अध्यक्षता वाले आयोग द्वारा बाढ़ को नियंत्रण करने हेतु 1974 में 2000 हजार करोड़ रूपये की लागत से पंचेश्वर, भालू तथा करनाली में बांध योजना तैयार की गई परन्तु उस पर काम नहीं हुआ और लागत भी बढ़ गई। इस योजना के तहत 12 हजार मेगावाट बिजली पैदा करने का काम भी था।

सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि भारत सरकार इस बाढ़ को नियंत्रित करने हेतु नेपाल सरकार से शीघ्र बातचीत करे और जो बाढ़ पूर्वांचल और उत्तरी बिहार में हर साल तबाही लाती है, उसको नियंत्रित करके सिंचाई हेतु पानी और बिजली पैदा करके पूर्वांचल और उत्तर बिहार में खुशहाली का माहौल बनायें।